

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) and (b). The proposed bridge will fall on the Anandpur-Bhadrak road. It is a State road and the State Government are, therefore, primarily concerned with this project. A Central loan assistance of Rs. 90 lakhs has, however, been agreed to for this project.

Paper Mill in Aizawl

4114. DR. R. ROHUAMA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up a Paper Mill at Hortoki in the Aizawl district of Mizoram;

[(b) if so, when; and

(c) if not, whether Government have any proposals under consideration to set up Paper Mills in Mizoram in view of the fact that bamboos of different varieties are found in abundance throughout Mizoram, even to the extent of meeting a large part of the country's requirements in paper?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GORGE FERNANDES): (a) to (c). Government of India has no proposal to set up a paper mill at Mizoram. However, the Government of Mizoram have applied for a Letter of Intent to set up a paper mill at Bairabi in Aizawl district with a capacity of 64,000 tonnes per annum based on the local raw material. They have submitted an application for the grant of letter of intent for the project and it is under consideration.

बिहार में कृषि और सिंचाई के लिए बिजली की आवश्यकता

4115. श्री बीरेन्द्र प्रसाद : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में कृषि और सिंचाई के लिये कुल कितने मेगावाट बिजली की

आवश्यकता है और राज्य को कितने मेगावाट बिजली सप्लाई की जा रही है ;

(ख) क्या यह सच है कि बिजली के अभाव में 90 प्रतिशत घरों की फसल नष्ट हो गई है ; और

(ग) कृषि-भूमि में सिंचाई के लिये बिजली उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार द्वारा क्या व्यवस्था की जा रही है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) मेगावाट में अभिव्यक्त की गयी बिजली किसी नियत समय में बिजली की मांग की माप है । एक निश्चित कालावधि में बिजली के उत्पादन तथा विभिन्न प्रकार के उप-सौकर्यों में इसके वितरण को मेगावाट में बता पाना संभव नहीं है । कृषि के लिए ऊर्जा की आवश्यकता की दृष्टि से, बिहार में उत्पादन क्षमता में कोई कमी नहीं है । तथापि व्यस्ततम काल में कुछ 'लोड शीडिंग' होती है किन्तु प्रतिदिन कम से कम 8 से 12 घंटे के लिए, कृषि पम्पों को बिजली सप्लाई की जा रही है ?

(ख) राज्य सरकार से प्राप्त संदेश के अनुसार, ऐसी कोई सूचना नहीं है कि बिजली न होने के कारण लगभग 90 प्रतिशत ग्रामीणकालीन फसल बर्बाद हो रही है ।

(ग) अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के लिए मंजूरी दे दी गई है और इसका निष्पादन विभिन्न चरणों में है । इससे पांचवी योजना के शेष वर्षों में तथा छठी योजना में लाभ प्राप्त होगा । छठी योजना में शुरू करने के लिए भी स्कीमें तैयार की जा रही हैं और उन पर कार्रवाई की जा रही है । उत्पादन और वितरण हेतु वर्ष 1977-78 के लिए 60.80 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गयी है ।

ग्राम विद्युतीकरण संबंधी राज्य की वर्ष 1977-78 की वितरण स्कीमों के लिए,